



मरवाही क्षेत्र में विचरण करते हाथी।

कन्या छात्रावास की बाउंड्रीवाल तोड़कर अंदर किया प्रवेश

एमपी से मरवाही पहुंचे हाथियों के दल को भाए मरवाही के कटहल और आम

हरिभूमि न्यूज ►► बिलासपुर

मध्यप्रदेश के अनूपपुर क्षेत्र की ओर से मरवाही वन मंडल में पहुंचे हाथियों के दल को कटहल और आम काफी भा रहा है, जिसे खाने के लिए हाथियों के दल ने पहले कन्या छात्रावास की मजबूत बाउंड्रीवाल की दीवार को तोड़ने के बाद सीधे उद्यान में प्रवेश कर लिया। हाथियों के दल को देखने के बाद ग्रामीण भी काफी दहशत में हैं, जिसे अलर्ट और गांव में मुनादी करने का कार्य वन विभाग और स्थानीय पुलिस की टीम कर रही है।

पिछले तीन-चार दिनों से हाथियों का दल मरवाही पेण्ड्रा वन मंडल क्षेत्र में विचरण कर रहा है। हाथियों का दल मध्यप्रदेश के अनूपपुर क्षेत्र से मरवाही क्षेत्र में पहुंचा है। गुरुवार की सुबह हाथियों

के दल ने गांव के क्षेत्र में प्रवेश किया, जहां एक साथ तीन चार हाथियों को देखकर ग्रामीण दहशत में आकर अपने-अपने घरों के अंदर छिप गए।

■ दहशत में ग्रामीण, वन विभाग कर रहा मुनादी, पुलिस भी सक्रिय

हाथियों ने किसी भी ग्रामीण और उनके आवास को नुकसान नहीं पहुंचाया। इसके बाद हाथियों का दल कस्तूरबा गांधी कन्या छात्रावास के पास पहुंचा, जहां छात्रावास के बाद शासकीय उद्यान में कटहल और आम के पेड़ लगे हुए थे। इसे खाने के लिए हाथियों के दल ने छात्रावास और उद्यान के चारों ओर बने मजबूत दीवार को तोड़ दिया। वर्तमान में हाथी कटहल और आम खाने में मस्त

हैं और अब तक किसी तरह का नुकसान हाथियों ने नहीं किया है। मरवाही क्षेत्र के रंजर मुकेश साहू ने बताया कि घुसरिया जंगल माड़ाकोट में हाथियों का दल रहता है, जहां आराम करने के बाद वह धान की फसल खाने के लिए गुना की ओर आ जाते हैं। अभी कटहल और आम उन्हें काफी भा रहा है। यहां से निकलने के बाद हाथियों का दल वापस माड़ाकोट के जंगल में चला जाता है।

उन्होंने बताया कि हाथियों के दल ने अब तक किसी तरह का नुकसान तो नहीं पहुंचाया, लेकिन उद्यान के बाउंड्रीवाल को तोड़ दिया है। हाथियों से किसी को कोई नुकसान न हो, इसके लिए स्थानीय पुलिस के सहयोग से वन विभाग की टीम लगातार मुनादी कराने के साथ ग्रामीण को भी अलर्ट कर लगातार निगरानी कर रही है।

परेशानी

33 केवी लाइन में ट्रीपिंग, घंटों बिजली की चली आंखमिचौली



हरिभूमि न्यूज ►► बिलासपुर

कूलर और एसी के मनमाने उपयोग के चलते अब बड़ी लाइन में भी ट्रीपिंग शुरू हो चुकी है। गुरुवार को 33 केवी लाइन में आई ट्रीपिंग के कारण शहर के कई इलाकों में दोपहर को बिजली बंद रही, इस दौरान कई जगहों पर एक ही घंटे में 8 बार बिजली आती व जाती रही,

जिसके चलते उपभोक्ताओं को खासी परेशानी हो रही है। बिजली विभाग के अनुसार दोपहर 12 से 4 व रात में 10 से 2 बजे के बीच सबसे ज्यादा बिजली उपभोग बढ़ चुका है, इसी समय में ट्रांसफार्मर और लाइन जवाब दे रही है। गुरुवार को मन्नु चौक, टिकरापारा में बिजली बंद रही, इस दौरान मधुबन से आने वाली 33 केवी लाइन में ट्रीपिंग हो गई, जिसके चलते गर्मी से बेहाल होना पड़ा, वहीं शनिचरी सबस्टेशन के अंतर्गत निकलने वाली लाइनों में दोपहर के 4 बजे तक 8 से 10 बार ट्रीपिंग होती रही, इस दौरान फीडर बंद हो गए और शनिचरी, सदर बाजार, सिविल लाइन, बृहस्पति बाजार के आसपास के बिजली सप्लाय ठप रही, इस दौरान लोगों को घरों के उपकरण खराब होने का अंदेशा महसूस होने लगा, हालांकि शाम के बाद बिजली सप्लाय नार्मल हो गई।

लो वोल्टेज की समस्या से परेशानी

दरअसल टिकरापारा, कखबला रोड, मंगला, मसानगंज, फजल बाड़ा, कतियापारा, चांटीडीह जैसे क्षेत्रों में रोजाना लो वोल्टेज की शिकायत मिल रही है, ट्रांसफार्मर के डियो खराब होने के कारण कई बार लोगों के घरों में सिंगल फेज की समस्या हो रही है, जिसे बनावे में प्यूज कौल की टीम को घंटों लग रहे हैं।

विपणन विभाग का दावा, प्रदेश में सबसे कम शार्टेज बिलासपुर में

संग्रहण केंद्रों में इस साल भी 4 सौ विवंटल धान की शॉर्टेज

हरिभूमि न्यूज ►► बिलासपुर

जिले के चार धान संग्रहण केंद्रों में इस साल भी शॉर्टेज का मामला सामने आया है। विपणन विभाग का कहना है कि बिलासपुर जिले में इस साल केवल 4 सौ विवंटल धान का शॉर्टेज पाया गया है, जो कि प्रदेश के सभी जिलों में सबसे कम है। ज्ञात हो कि इस साल जिले के संग्रहण केंद्रों के लिए बलौदा बाजार जिले से धान का उठाव किया गया था। जिले में बीते वर्ष भारी मात्रा में हुए धान शॉर्टेज का मामला अभी ठंडा भी नहीं हो पाया है और इस साल फिर से संग्रहण केंद्रों में धान का शॉर्टेज हो गया। विपणन विभाग की माने तो चारों संग्रहण केंद्रों को मिलाकर केवल चार सौ विवंटल धान का ही शॉर्टेज पाया गया है, जो कि पूरे प्रदेश के सभी जिलों में पाए गए शॉर्टेज की तुलना में सबसे कम है। हालांकि संग्रहण केंद्रों व धान खरीदी केंद्रों में शॉर्टेज की मात्रा में आई कमी के पीछे शासन द्वारा कड़ा रूख अपनाया जाना भी हो सकता है। बीते वर्ष प्रदेश के अधिकांश जिलों में धान शॉर्टेज के मामले न केवल बड़ी संख्या में, बल्कि बड़ी मात्रा में सामने आए थे।

बलौदा बाजार जिले से आया था संग्रहण केंद्रों में धान

52 हजार विवंटल धान आया, उठाव पूरा

जिले के संग्रहण केंद्रों के लिए इस साल बलौदा बाजार के धान खरीदी केंद्रों से धान का उठाव किया गया था। इसके अंतर्गत यहां कुल 52 हजार विवंटल धान लाया गया था। विपणन विभाग के अनुसार संग्रहण केंद्रों में लाए गए धान का शत प्रतिशत उठाव किया जा चुका है। मौके पर अब केंद्रों में धान उपलब्ध नहीं है।

सबसे कम शार्टेज है

इस साल संग्रहण केंद्रों में चार सौ विवंटल धान की शॉर्टेज पाई गई है। यह मात्रा पूरे स्टेट में सबसे कम है। जिले के संग्रहण केंद्रों के लिए इस साल बलौदा बाजार जिले के धान खरीदी केंद्रों से कुल 52 हजार विवंटल धान का उठाव किया गया था। पूरा धान अब यहां के संग्रहण केंद्रों से भी उठाया जा चुका है।

-उपेन्द्र कुमार डीएसओ

पिछले साल 8 करोड़ के धान शॉर्टेज पर कोई कार्रवाई नहीं

जिले में बीते वर्ष चारों संग्रहण केंद्रों को मिलाकर करीब 8 करोड़ रूपए के धान का शॉर्टेज पाया गया था। शॉर्टेज पाए जाने के बाद सभी संग्रहण केंद्र प्रचारियों को नोटिस जारी कर जवाब मांगते हुए सभी के जवाब दोषियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए शासन को भेज दिए गए हैं। जबकि आज कई महीने बीत जाने के बाद भी दोषियों के खिलाफ किसी भी तरह की कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

21 YEARS OF EXCELLENCE

10TH CLASS TOPPER

PRIYAM KACCHWAHA

97.6%

AWARDED BY EDUCATION WORLD

NO.1 SCHOOL IN BILASPUR & 6TH BEST SCHOOL IN CHHATTISGARH

EW

12TH CLASS TOPPER

ANUSHKA AGRAWAL

96%

ARPA RIVER VALLEY INTERNATIONAL SCHOOL

TIME IS RUNNING OUT!

ADMISSIONS CLOSING SOON.

25+ SPORTS FACILITIES

EXPERIENTIAL LEARNING

COMPETITIVE EXAM PREPARATION WITHIN SCHOOL

EVENING COACHING FOR HOSTELERS

VERY LIMITED SEATS AVAILABLE

OUR SCHOOL HIGHLIGHTS

- 10-acre lush green campus
- Transportation Facility throughout City
- Separate AC hostels for Boys & Girls
- Pure Vegetarian Mess
- AC Classrooms
- 8 different clubs including IIMUN Club
- Active and Running NCC Btn. With firing range
- International Exposure
- Preparations for Olympiads and Competitive Exams
- Transportation Facility Through & Around Bilaspur

DAY BOARDING AT ARVIS: EXPERIENCE THE BEST OF BOTH WORLDS

Give your child the structure of a boarding school environment with the comfort of coming home every evening. Our Day Boarding Program offers extended learning structured activities that develop well-rounded individuals-all while maintaining the warmth of family time at home.

NEP-BASED APPROACH FOR HOLISTIC DEVELOPMENT

Our curriculum aligns with the National Education Policy 2020, focusing on play based and activity-based learning that nurtures cognitive, social, emotional, and physical development.

Visit Us

9981794669, 9669049994, 9893056085

Beside Radhasoami Satsang Beas, Dheka-Masturi Road, Bilaspur, Chhattisgarh, 495001

Website

ARPRAYAS

